खेल
प्रतिदिन अखबार
खिलाड़ी
www.pratidinakhabar.com
अमरावती, सोमवार, 17 दिसंबर 2018

ऑस्ट्रेलिया को 175 रन की बढ़त

पर्थ टेस्ट : ख्वाजा जमे

पर्थ : ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाज की विकेट चटकाने के बाद शमी को बधाई देते साथी खिलाड़ी.

पर्थ, 16 दिसम्बर, एजेंसी- मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर 132 रन बना लिए. ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त अब 175 रन हो गई है. स्टंप्स के समय उस्मान ख्वाजा (41) और कप्तान टिम पेन (8) क्रीज पर मौजूद थे. इससे पहले भारत की पहली पारी 283 रन पर सिमटी जिसमें सबसे ज्यादा योगदान कैप्टन विराट कोहली (123) का रहा.

ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में पहला झटका मार्कस हैरिस (20) के रूप में लगा और उन्हें जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड किया. हैरिस ने 56 गेंदों का सामना किया जिसमें 2 चौके जड़े. इसके बाद शॉन मार्श (5) को शमी की गेंद पर विकेट के पीछे ऋषभ पंत ने लपका. पीटर हैंड्सकॉम्ब को 13 के निजी स्कोर पर इशांत ने अपना शिकार बनाया. उन्होंने 14 गेंदों पर 3 चौके जड़े.

ट्रैविस हेड (19) को शमी ने इशांत शर्मा के हाथों कैच कराया. हेड ने 49 गेंदों की अपनी पारी में 2 चौके लगाए. इस बीच मोहम्मद शमी की गेंद पर ओपनर आरोन फिंच चोटिल हो गए और उन्हें मैदान से बाहर ले जाना पड़ा. वह अंगुली में चोट के चलते 25 के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हुए.

283 पर सिमटा भारत

भारत की पहली पारी 283 रन पर सिमटी. भारत की पारी एक बार फिर कप्तान विराट कोहली के इर्द गिर्द मंडराती नजर आई. विराट (123) के शतक की बदौलत भारत ने पहली पारी में 283 रन बनाए. विराट ने अपने टेस्ट करियर का 25वां शतक जड़ा. उन्होंने अजिंक्य रहाणे (51) के साथ चौथे विकेट के लिए 91 रन की शानदार साझेदारी की.

कैप्टन कोहली की सेंचुरी

कैप्टन कोहली ने पेसर मिशेल स्टार्क की गेंद पर स्ट्रेट ड्राइव लगाते हुए चौका जड़ा और शतक पूरा किया. उन्होंने 123 रन की अपनी पारी में 257 गेंदों पर 13 चौके और 1 छक्का जड़ा. उन्हें पैट कमिंस की गेंद पर पीटर हैंड्सकॉम्ब ने लपका. हालांकि तीसरे दिन की शुरूआत हालांकि मेहमान भारत के लिए अच्छी नहीं रही और अजिंक्य रहाणे (51) को नाथन लायन ने दिन के पहले ही ओवर में पविलियन की राह दिखा दी.

रहाणे अपने कल के स्कोर में कोई इजाफा नहीं कर सके और टिम पेन ने विकेट के पीछे उनका कैच लपक पविलियन की राह दिखा दी. उन्होंने 105 गेंदो की अपनी पारी में 6 चौके और 1 छक्का जड़ा. विराट और रहाणे ने चौथे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की. इसके बाद हनुमा विहारी को जोश हेजलवुड की गेंद पर टिम पेन ने लपका. हनुमा ने 46 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से 20 रन बनाए. भारत का छठा विकेट विराट के रूप में 251 के स्कोर पर गिरा और फिर पूरी टीम 283 पर ऑलआउट हो गई. विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 50 गेंदों पर 2 चौके और 1 छक्के की मदद से 36 रन बनाए. उन्हें लॉयन की गेंद पर स्टार्क ने लपका. शमी (0), इशांत शर्मा (1) और जसप्रीत बुमराह (4) को भी लॉयन ने शिकार बनाया. लॉयन ने 67 रन देकर 5 विकेट लिए जबकि मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को 2-2 विकेट मिले. पैट कमिंस को भी 1 सफलता मिली. टीम इंडिया ऐडिलेड ओवल में पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाए हुए है.

क्या कोहली के साथ हुआ बड़ा धोखा?

भारतीय टीम बना सकती थी बड़ा स्कोर

दिल्ली, 16 दिसम्बर, एजेंसी- भारतीय क्रिकेट टीम की पहली पारी 283 रनों पर सिमट गई. कप्तान विराट कोहली ने सबसे ज्यादा रन बनाए. उन्होंने 123 रन बनाए. लेकिन कोहली के आउट होने के बाद बड़ा विवाद उठने लगा. यह विवाद है कोहली को गलत कैच आउट देने पर. ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलियाई फिल्डर ने कोहली का कैच साफ नहीं लपका. ऐसे में सोशल मीडिया पर भी अंपायर के गलत फैसले पर सवाल उठाए जा रहे हैं और माना जा रहा है कि कोहली के साथ धोखा हुआ वरना टीम इंडिया अपनी पहली पारी में बड़ा स्कोर बना सकती थी.

कोहली का कैच भारतीय पारी के 93 ओवर की आखिरी गेंद पर पीटर हैंड्सकॉम्ब ने पकड़ा. पैट कमिंस कोहली को आउट करने के लिए जमकर मेहनत कर रहे थे. उनकी गेंद पर कोहली के बल्ले का बाहरी किनारा लगा और गेंद स्लिप में उछल गई. वहां पीटर हैंड्सकॉम्ब खड़े थे. हैंड्सकॉम्ब ने झुकते हुए कैच लपका और आउट की अपील की. अंपायर ने आउट दे दिया लेकिन कोहली ने रिव्यू लिया.

थर्ड अंपायर के पास इतने ज्यादा सबूत मौजूद नहीं थे जिसके जरिए वह मैदानी अंपायर के फैसले को बदल देते. यही वजह रही कि कोहली को आउट दिया गया. वैसे रीप्ले में दिख रहा था कि कैच लेते वक्त गेंद जमीन में छू गई है लेकिन ये साफ तौर पर नहीं दिख रहा था क्योंकि गेंद के नीचे अंगुली भी दिख रही थी. वैसे इस बात से भारतीय फैंस काफी नाखुश हुए और सोशल मीडिया पर उन्होंने जमकर भड़ास निकाली.

सेंचुरी के बाद विराट का इशारा | बल्ला बोलता है

पर्थ, 16 दिसम्बर, एजेंसी- भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ मैदान पर अपने अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन कोहली ने शतक लगाकर अपने अलग ही अंदाज में उसका जश्न मनाया. कोहली ने रविवार को सुबह पर्थ के ऑप्टस मैदान में अपना 25वां टेस्ट शतक जड़ा.

यह पर्थ के इस नए स्टेडियम में यह किसी भी बल्लेबाज का लगाया पहला टेस्ट शतक है. विराट ने मिशेल स्टार्क की गेंद पर लॉन्ग ऑफ पर चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छठा टेस्ट शतक लगाया. शतक के बाद कोहली ने अपना हेलमेट उतारकर जमीन पर रखा और फिर अपने बल्ले की ओर इशारा करते हुए दस्तानों से बात करने की नकल की. कोहली यह इशारा कर रहे थे कि उनका बल्ला हर सवाल का जवाब देगा.

2017 में जब ऑस्ट्रेलियाई टीम के भारत दौरे के दौरान दोनों टीमों के बीच कई बार गर्मागर्म बहस हुई थी. हालांकि स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर एक साल का बैन लगने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम का रवैया कुछ बदला हुआ सा लग रहा है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली 8 टेस्ट पारियों में कोहली 50 का आंकड़ा नहीं पार कर पाए थे लेकिन रविवार को पर्थ में उन्होंने इस सूखे का अंत कर दिया.30 वर्षीय भारतीय कप्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सातवीं टेस्ट सेंचुरी लगाई. उन्होंने 214 गेंदों पर अपनी सेंचुरी पूरी की. यह इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में 2012 में लगाई गई सेंचुरी के बाद उनके टेस्ट करियर की दूसरी सबसे धीमी सेंचुरी है.इसके साथ ही कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ छठा शतक लगाया. इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंडुलकर के छह शतक (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में) के भारतीय रेकॉर्ड की बराबरी की. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने का रेकॉर्ड जैक होब्स (इंग्लैंड) के नाम है. उन्होंने 9 शतक लगाए हैं. इसके बाद वॉली हैमंड (7) का नंबर आता है.

विराट की सेंचुरी | सचिन के रेकॉर्ड की बराबरी

पर्थ, 16 दिसम्बर, एजेंसी- भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने रविवार सुबह टेस्ट क्रिकेट में अपनी 25वीं सेंचुरी पूरी की. कोहली ने पर्थ टेस्ट के तीसरे दिन मिशेल स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया. कोहली की सेंचुरी ने भारत को 250 के स्कोर तक पहुंचा दिया. कोहली आखिरकार 123 रन बनाकर पैट कमिंस की गेंद पर दूसरी स्लिप पर लपके गए.

यह ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका छठा टेस्ट शतक है. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के सचिन तेंडुलकर के भारतीय रेकॉर्ड की बराबरी की.

सचिन ने ऑस्ट्रेलिया में छह टेस्ट शतक लगाए हैं. पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावसकर के नाम ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट शतक हैं. वहीं स्टाइलिश बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण चार शतक के साथ चौथे नंबर पर हैं. वैसे कोहली का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सातवां झटका है. कोहली ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नै में भी एक शतक लगाया था.

कोहली इसके साथ ही सबसे कम टेस्ट पारियों में 25 शतक बनाने के मामले में भी सचिन से आगे निकल गए. सचिन ने 130 पारियों में 25 टेस्ट शतक पूरे किए थे और कोहली ने 127वीं पारियों में यह मुकाम हासिल कर लिया. सबसे कम पारियों में यहां पहुंचने का रेकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है जिन्होंने 68 पारियों में ही 25 शतक बना दिए थे.

रेकॉर्ड की बात करें तो टेस्ट क्रिकेट में 51 सेंचुरी लगाने वाले सचिन ने 11 शतकऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए हैं. किसी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने का रेकॉर्ड सर डॉनल्ड ब्रैडमैन के नाम है. ब्रैडमैन ने अपने करियर की 29 टेस्ट सेंचुरी में 19 इंग्लैंड के खिलाफ लगाईं. एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने का भारतीय रेकॉर्ड सुनील गावसकर के नाम है जिन्होंने 34 में से 13 सेंचुरी वेस्ट इंडीज के खिलाफ बनाई हैं.

ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा शतक लगाने का रेकॉर्ड इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जैक होब्स के नाम है. उन्होंने 24 टेस्ट मैचों की 45 पारियों में 9 शतक लगाए हैं. सचिन और विराट 6 शतकों के साथ एशियाई बल्लेबाजों में सबसे आगे हैं.

इसके साथ ही कोहली एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों की सूची में भी दूसरे पायदान पर आ गए. कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के बॉब सिम्पन को पीछे छोड़ा. सिम्पन ने 1964 में 9 मैचों में 1018 रन बनाए हैं. कप्तान के रूप में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रेकॉर्ड साउथ अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ के नाम है जिन्होंने 2008 में 11 टेस्ट मैचों में 1212 रन बनाए.

धोनी ने पत्नी को पहनाई सैंडल

दिल्ली, 16 दिसम्बर, एजेंसी- क्रिकेट के मैदान पर 'कूल' अंदाज में रहने के लिए मशहूर महेंद्र सिंह धोनी भारत के सबसे कामयाब कप्तान हैं. उनका व्यवहार भी काफी सौम्य है. क्रिकेट के मैदान पर भी उनके चेहरे पर ज्यादा गुस्सा या नाराजगी नहीं होती. एक बार फिर उन्होंने ऐसा काम किया जिससे उनके फैन काफी खुश होंगे. 'कैप्टन कूल' के नाम से मशहूर पूर्व कप्तान धोनी एक तस्वीर में साक्षी को सैंडल पहनने में मदद करते नजर आ रहे हैं. धोनी को इस बात की परवाह नहीं है कि लोग उनके बारे में क्या कहेंगे. साक्षी ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, आपने जूतों के लिए पैसे दिए हैं तो इसे पहनाओ भी आप.

सिंधु ने जीता वर्ल्ड टूर फाइनल्स

रचा इतिहास

ग्वांगझू, 16 दिसम्बर, एजेंसी- रविवार को भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु और जापान की नोजोमी ओकुहारा के बीच प्रतिस्पर्धा का एक और नजारा देखने को मिला. और इस बार भारतीय खिलाड़ी भारी पड़ीं. रविवार को चीन में वर्ल्ड टूर फाइनल्स में सिंधु ने जापानी खिलाड़ी को हराकर इस साल का अपना पहला खिताब जीता. यह उनका 14वां करियर खिताब और सीजन का पहला खिताब है.

23 वर्षीय इस खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन को 21-16, 25-23 के कड़े मुकाबले में हराकर लगातार दूसरे साल फाइनल में जगह बनाई थी. सिंधु को पिछले साल फाइनल में ओकुहारा से ही हार का सामना करना पड़ा था. दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी ने लगातार बीते साल फाइनल खेलने के बाद खिताब पर कब्जा किया है.

पहला गेम

2016 रियो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सिंधु ने मैच की शुरूआत ही आक्रामकता से की. हालांकि मैच का पहला पॉइंट ओकुहारा ने जीता लेकिन सिंधु ने जल्द ही वापसी करते हुए बढ़त बना ली. उन्होंने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए अच्छे स्मैश लगाए और शटल को जापानी खिलाड़ी की पहुंच से दूर रख पॉइंट्स बटोरे.

सिंधु 5-1 से आगे थी इसके बाद ओकुहारा ने कुछ वापसी करते हुए अंतर को कम करके स्कोर को 7-5 कर दिया. हालांकि इसके बाद सिंधु ने फिर अच्छा कोर्ट कवर किया और नोजोमी ओकुहारा को कुछ गलतियां करने पर कमजोर किया. पहले गेम में ब्रेक तक सिंधु 11-6 से आगे थीं.

ब्रेक के बाद सिंधु ने अपनी बढ़त को बढ़ाकर 14-6 कर लिया. यहां लगने लगा था कि सिंधु इस गेम में आसानी से जीत हासिल कर लेंगी लेकिन जापानी खिलाड़ी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया. उन्होंने अच्छा कोर्ट कवर किया और सिंधु के लिए पॉइंट्स हासिल करने मुश्किल कर दिए. स्कोर 16-16 तक बराबर पहुंच गया. दोनों खिलाड़ियों के बीच काफी संघर्ष देखने को मिला. सिंधु ने 20-17 की बढ़त बना ली लेकिन ओकुहारा ने दो पॉइंट्स जीतकर मैच को रोमांच बढ़ा दिया लेकिन आखिर में सिंधु ने अंक जीतकर पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया.

दूसरा गेम

सिंधु ने दूसरे गेम में भी अच्छी शुरूआत की और 5-2 की बढ़त ले ली. चेंजओवर के समय सिंधु 11-9 से आगे थीं. ओकुहारा ने सिंधु पर लंबी रैली खेलने का दबाव बनाया. लेकिन ओकुहारा के एरर्स ने सिंधु को मैच में आगे बनाए रखा. सिंधु के पास दूसरे गेम में 20-17 की बढ़त थी और उन्होंने पहले ही मौके में अंक हासिल कर एक साल से चले आ रहे सूखे का अंत किया. वह इस खिताब को जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी बन गईं.

इससे पहले सिंधु ने सेमीफाइनल में 2013 की वर्ल्ड चैंपियन रतचानोक इंतानोन को हराया था. वहीं ग्रुप के अपने मैच में उन्होंने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ताइ जू यिंग को हराया था. सिंधु इससे पहले फाइनल पड़ाव को पार करने में सात बार असफल रही थीं. उन्हें इंडिया ओपन, कॉमनवेल्थ गेम्स, थाईलैंड ओपन और वर्ल्ड चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था.

शमी की गेंद से फिंच चोटिल

पर्थ, 16 दिसम्बर, एजेंसी- ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट के तीसरे दिन चायकाल से पहले बड़ा झटका लगा और उसके ओपनर आरोन फिंच को अंगुली में चोट के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा.

जाना पड़ा बाहर

फिंच उस समय 25 के निजी स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहे थे कि उनकी अंगुली में गेंद लग गई. इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक, फिंच की एक्स-रे रिपोर्ट का इंतजार है जिसके बाद ही उनकी चोट की गंभीरता का पता चलेगा. ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के 13वें ओवर में यह घटना हुई. पेसर मोहम्मद शमी की गेंद को फिंच ने खेलने का प्रयास किया लेकिन इसी बीच गेंद उनके दाएं हाथ की अंगुली पर जा लगी. फिंच दर्द से परेशान नजर आए. बाद में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि फिंच चायकाल के बाद बल्लेबाजी के लिए नहीं आएंगे. चाय के बाद उस्मान ख्वाजा बल्लेबाजी को उतरे. मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 326 रन बनाए जिसके बाद भारतीय टीम ने कप्तान विराट कोहली (123) के शतक की बदौलत पहली पारी में 283 रन बनाए. भारतीय टीम 4 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है.

सीएम चषक का शानदार शुभारंभ

गृह राज्यमंत्री डॉ. पाटिल के हाथों हुआ उद्घाटन : सभी स्पर्धाओं में प्रवेश नि:शुल्क

परतवाड़ा : सीएम चषक का उद्घाटन करते गृहराज्यमंत्री पाटिल.

संवाददाता, 16 दिसंबर

परतवाड़ा - भारतीय जनता युवा मोर्चा, अचलपुर द्वारा सीएम चषक स्पर्धा का भव्य आयोजन किया गया है. स्पर्धा का उद्घाटन गृह राज्यमंत्री डॉ. रणजीत पाटिल द्वारा किया गया. नेहरु मैदान के विशाल प्रांगण में कुश्ती के शानदार मुकाबलों का शुभारंभ पहलवानों से हाथ मिलाकर डॉ. पाटिल ने किया. वहीं हाथ में बल्ला लेकर गेंद को बाउंड्री के पार लगाते हुए क्रिकेट स्पर्धा का श्रीगणेश किया. 15 से 25 दिसंबर तक चलने वाली विविध स्पर्धाओं में खेल, क्रीड़ा, सांस्कृतिक, बौद्धिक तथा कलाकृति का समावेश है. सभी स्पर्धाओं में नि:शुल्क प्रवेश दिया जाएगा.

कार्यक्रम के मंच पर डॉ. रणजीत पाटिल, भाजपा नेता गजानन कोल्हे, अशोक बनसोड़, पन्नालाल अग्रवाल, नीलेश सातपुते, भाजयुमो के शहर अध्यक्ष ललित ठाकुर, विधानसभा प्रमुख अभय माथने, उपाध्यक्ष शशिकांत जायसवाल, रितेश नवले, रवि पवार, आशीष राठौड़, नीलेश पवार, प्रफुल्ल कुऱ्हेकर, मोहन ठाकुर, आनंद अहीर, सागर घोंगड़े, सचिन कडू, विधानसभा विस्तार प्रशांत देशपांडे, प्रवीण तोंडगांवकर, राजेश सुंडेवाले, सागर चरपटे, विनीता धर्मा, नयना जोशी, अक्षरा लहाने तथा भाजपा के पार्षद व पदाधिकारी उपस्थित थे.

कार्यक्रम की जिम्मेदारी शिवा बुंदेले व भाजपा कार्यकर्ताओं ने संभाली. 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक सुबह 10 बजे भामकर क्रिकेट एकेडमी अमरावती रोड परतवाड़ा में क्रिकेट मैच होगा, जिसका पूरा नियोजन राज मेटकर की ओर है. सुबह 10 बजे एसजी ब्वॉयज हाईस्कूल में चित्रकला स्पर्धा होगी. निखिल यादव की ओर नियोजन का जिम्मा सौंपा गया है. 100 मीटर दौड़ स्पर्धा का ओजन 17 दिसंबर को सुबह 8 बजे तहसील क्रीड़ा संकुल राजा शिवाजी हाईस्कूल मैदान पर किया गया है. गिरीष भोयर इसका नियोजन करेंगे. ललित ठाकुर के नियोजन में 400 मीटर दौड़ स्पर्धा का आयोजन 18 दिसंबर को सुबह 8 बजे तहसील क्रीड़ा संकुल पर ही किया गया है.

उसी प्रकार हिमांशु नंदरधने वॉलीबॉल स्पर्धा का जिम्मा संभालेंगे, यह स्पर्धा 22 और 23 दिसंबर को राजा शिवाजी हाईस्कूल मैदान पर सुबह 10 बजे होगी. टोम्पे महाविद्यालय चांदूर बाजार में आनंद अहीर के नियोजन में कबड्डी स्पर्धा का आयोजन किया गया है जो 22 और 23 दिसंबर को सुबह 10 बजे होगी. खो-खो स्पर्धा का आयोजन 22 और 23 को टोम्पे महाविद्यालय में अक्षय जनवरे और भूषण अहीर के नियोजन में होगी. रंगोली स्पर्धा का आयोजन 22 दिसंबर को सुबह 10 बजे कल्याण मंडपम कोर्ट रोड परतवाड़ा में किया गया है. नयना जोशी, सोनम श्रीवास्तव पर नियोजन व्यवस्था सौंपी गई है.

कैरम स्पर्धा का आयोजन 22 को दोपहर 2 बजे कल्याण मंडपम में ही होगा, अक्षय बुंदेले पर इसका जिम्मा सौंपा गया है. गायन स्पर्धा 23 और 24 दिसंबर को श्याम साऊरकर के नियोजन में कल्याण मंडपम में होगी. कल्याण मंडपम में ही नृत्य स्पर्धा होगी, जिसका जिम्मा प्रफुल्ल कुऱ्हेकर, नीलेश पवार संभाल रहे हैं.

24 दिसंबर की शाम 5 बजे यह स्पर्धा होगी. 25 को सभी स्पर्धाओं के विजेताओं को शाम 5 बजे आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मान्यवरों के हाथों सम्मानित किया जायेगा. आयोजित सभी कार्यक्रमों की सफलता के लिए भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता अथक प्रयास कर रहे हैं.

न्यू कबड्डी फेडरेशन के सहसचिव बने प्रदीप सिंह ठाकुर

प्रतिनिधि, 16 दिसंबर

प्रदीप सिंह

वर्धा- हाल ही में बैंगलोर में हुई न्यू कबड्डी फेडरेशन की सभा में नगरपरिषद उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह ठाकुर को फेडरेशन के सहसचिव पद पर नियुक्त किया गया. सभा में देश के विभिन्न राज्यों से फेडरेशन के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया था. पिछले 40 वर्षों से प्रदीपसिंह ठाकुर ने विदर्भ कबड्डी एसो. की जिम्मेदारी निभाते हुए कबड्डी संगठन को विदर्भ में मजबूत बनाने का कार्य किया. साथ ही स्कूल, नेशनल, जूनियर-सीनियर नेशनल, नागपुर विद्यापीठ व भारतीय संघ की प्रैक्टिस का नेतृत्व किया. उनका कार्य देखकर भारतीय संगठन की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है. उनकी नियुक्ति से विदर्भ के खिलाड़ियों में हर्ष का वातावरण है. प्रदीपसिंह ठाकुर ने संगठन के अध्यक्ष सर्वेश कुमार, सचिव प्रसाद बाबू, महिपाल सिंह का आभार माना है.